

15. १००८ श्री धर्मनाथ जी



यक्ष
किम्पुरुष

चिन्ह
वज्रदंड



वर्ण
पीतवर्ण

यक्षिणी
अवन्तमति

अर्घ

आठों दरब साज शुचि चितहर, हरषि हरषि गुन गाई ।
बाजत दूम दूम दूम मृदङ्ग गत, नाचत ता थैई थार्ई ॥
परम धरम शम रमन धरम जिन अशरन शरन तिहारी ।
पूजों पाय गाय गुन सुन्दर, नाचौं दै दै तारी ॥

ॐ ह्रीं श्री धर्मनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घ निर्वपामीति स्वाहा ।

वैशाख शुक्ला-८



गर्भकल्याणक

माघ शुक्ला-१३



जन्मकल्याणक

माघ शुक्ला-१३



तपकल्याणक

पौष शुक्ला-१५



केवलज्ञान कल्याणक

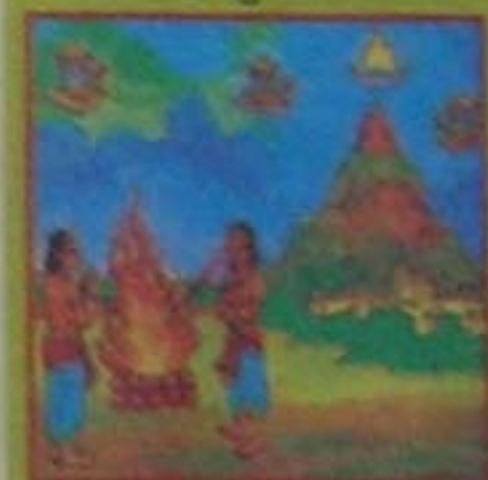
पिता: श्री भानुराजा

माता: सुव्रता देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्पेदशिखर जी



ज्येष्ठ शुक्ला-४



मोक्षकल्याणक